

10-11-2022

प्राचीन गुरु के वर्णन उपस्थित। पुनर्गर्भ
 सं. (3) के वर्णन उपस्थित। पेशेदार
 स्वरकार उपस्थित। चूंकि मूल रूप में
 निर्मित हो चुके हैं। ऐसी स्थिति में, प्राचीन
 का पुनर्गर्भ पर इसी स्वर पर स्थापित
 किये जाने योग्य है। अतः प्राचीन का
 पुनर्गर्भ पर स्थापित किया जाता है।
 निर्माण विनाश गज। पत्रावली, फलज
 सुमार होकर नग्वर से ~~है~~ है।

अति. जिला कलक्टर
 मिरोही (राज.)

